द्वार खड़ी श्री श्याम तुम्हारे

द्वार खड़ी श्री श्याम तुम्हारे,
श्याम प्रभु तुम दया करो,
करूँ तुम्हारी चरण वंदना,
कष्ट हमारे विदा करो,
द्वार खड़ी श्री श्याम तुम्हारे,
श्याम प्रभु तुम दया करो।

तुमको है मालूम सभी कुछ,
घेरें खड़े हैं गम कितने,
तुमसे नहीं तो किससे कहें,
लाचार बड़े हैं हम कितने,
तुमसे है ये विनती मेरी,
क्षमा करो अपराध मेरे,
भीड़ दुखों की घेरे खड़ी है,
कोई नहीं है साथ मेरे,
करूँ तुम्हारी चरण वंदना,
कष्ट हमारे विदा करो,
द्वार खड़ी श्री श्याम तुम्हारे,
श्याम प्रभु तुम दया करो।

दुनियाँ की क्या बात करूँ मैं,
परछाई भी दुश्मन है,
राहें हो गई अंगारों सी,

आग में जलता जीवन है,
हाथ धरो मेरे सर के ऊपर,
शीतल सी छाया कर दो,
हो जाएं दु:ख दूर हमारे,
तुम ऐसी माया कर दो,
करूँ तुम्हारी चरण वंदना,
कष्ट हमारे विदा करो,
द्वार खड़ी श्री श्याम तुम्हारे,
श्याम प्रभु तुम दया करो।

कब काटोगे श्याम हमारी,
किस्मत की जंजीरों को,
रंग दो खुशियों से हाथों की,
इन बेरंग लकीरों को,
दया करो हे खाटू वाले,
दर दर की ठुकराई हूँ,
न्याय मिलेगा दर पे तुम्हारे,
यही सोच के आई हूँ,
करूँ तुम्हारी चरण वंदना,
कष्ट हमारे विदा करो,
द्वार खड़ी श्री श्याम तुम्हारे,
श्याम प्रभु तुम दया करो

Source: https://www.bharattemples.com/dawar-khadi-shri-shyam-tumhare/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw